***183. [The Questioner (Miss Saroj Khaparde) was absent. For answer, vide page 23 Infra.]**

***184. [The Questioner (Dr. Gopal Rao Vithalrao Patil) was absent. For answer, vide page 24 Infra.]**

Protection of 'Kumhrar' Monument

*185. SHRI NAGENDRA NATH OJHA: Will the Minister of CULTURE, YOUTH AFFAIRS AND SPORTS be pleased to State:

(a) whether Government are aware of that there were reports regarding constraints in the way of protecting 'Kumhrar' in Patna, Bihar, the Monument of international importance;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the steps being taken for removal of the constraints and protecting the monument?

THE MINISTER OF CULTURE, YOUTH AFFAIRS AND SPORTS (SHRI ANANTH KUMAR): (a) and (b).The excavated site at Kumhrar has already been declared to be a monument of national importance under the Ancient Monuments, Archaeological Sites and Remains Act, 1958. However, the level of the protected site being considerably lower that the adjoining area results in its inundation annually.

(c) At present water is pumped from the protected site into another area in the same complex. Consultations are underway with the State Government for a more long-lasting solution.

श्री नागेन्द्र नाथ ओझा: सभापति महोदय, पटना में स्थित कुम्हरार एक जगह है जहां से अशोक जैसे एम्परर ने शासन किया। यहां के बारे में मेरा यह प्रश्न है। मेरा प्रश्न है कि इसको प्रेजर्व करने में क्या बाधाएं हैं? क्या सरकार को उन बाधाओं की जानकारी है? इसका उत्तर नहीं मिला है। मेरे पूरक प्रश्न का भाग एक "क" यह है कि क्या सरकार को जानकारी है कि पटना के सुपिरिंटेंडेंट (आर्केलाजिस्ट) ने त्राहिमाम संदेश सेंटर को भेजा कि उस साइट को प्रेजर्व करने के सिलसिले में जब उन्होंने कदम उठाए तो उनकी जान पर भी खतरा आया? एक, और भाग 2 "ख" यह है कि उस पर क्या कार्यवाही की गयी? इसका ब्यौरा क्या मंत्री जी सदन में रख सकेंगे?

SHRI ANANTH KUMAR: Sir, the 'Kumhrar' monument in India is very precious monument. They are the pillars of the Maurya period, which dates back to 3rd century B.C. But the entire site is 15 feet below the ground

level, and also the road level. Therefore, there would always be a lot of water, swamp and seepage. We sent our officers to inspect that site. They made an inspection there, and after the inspection, they informed that nothing could be done from three sides. But from the road side, water can be pumped out and we are doing it. The Department of Culture is abreast of the problem and we are taking care of it.

श्री नागेन्द्र नाथ ओझा: सभापति महोदय, मेरे पास जानकारी है और डाक्यूमेंट है कि वहां के सुपिरिटेंडेंट (आर्केलाजिस्ट) ने त्राहिमाम संदेश भेजा कि उनकी जान पर खतरा है। यह इसलिए कि उसकी कम्पाउंड के वाल के निर्माण में एन्क्रोचमेंट हटना था और एन्क्रोचमेंट हटाने के लिए लोग तैयार नहीं थे और बिहार सरकार कोई प्रशासनिक मदद देने को तैयार नहीं थी उल्टे उनको थ्रेट किया गया। मामला यह गम्भीर है, पानी निकालने का नहीं है और न यह सत्य है कि वह जो साइट है रोड लेविल से 50 फुट नीचे है। वह डेढ़ फुट या तीन फुट भी नीचे नहीं है। जहां खुदाई का स्थान है, जहां पानी जमा हो जाता है वह हो सकता है। लेकिन ऐसा नहीं है–कम्पाउंड वाल रोड से 50 फुट नीचे नहीं है बल्कि रोड के पैरेलल में है। कठिनाई यहां है। एन्क्रोचमेंट हटाने के लिए जो प्रक्रिया है जो नियम है इसमें है कि लैंड एन्क्रोचमेंट नहीं होगा, इतनी दूरी तक नहीं होगा। क्या वहां एन्क्रोचमेंट है और केन्द्र की तरफ से आपके विभाग ने एन्क्रोचमेंट हटाने के लिए बिहार सरकार से क्या कोई आग्रह किया है? और उस पर क्या कार्यवाही हुई है? अगर इसका उत्तर मिलता है तब न संतुष्टि होगी।

SHRI ANANTH KUMAR: Sir, I appreciate the concern expressed by the hon. Member. Most of the archaeological sites in the country are being encroached upon, though requisite notifications are there. Therefore, recently I requested the hon. Home Minister to convene a meeting so that the hon. home Minister, the hon. Minister for Urban Development and I could sit together, work out the ways and means to remove these encroachments. So far as the reasons for the problem that have been brought to my notice are concerned, I will immediately speak to the Bihar Government in this regard. This is a perennial problem. This encroachment is because of the land mafia and the law and order situation these land mafia create. It is a perennial problem and the Archaeological Survey of India has no other infrastructure than to depend on the State Governemnt to redress this problem.

श्री संजय निरुपम: माननीय सभापति जी, सब से पहले तो कुम्हरार का विषय सदन में उठा, मैं इस पर खुशी व्यक्त करता हूं। महोदय, कुम्हरार की दुर्दशा मैं पिछले तीस वर्षों से देख रहा हूं। मैं पटना कालेज में पढ़ा हूं और हर रोज साइकिल पर कुम्हरार के सामने से होकर गुजरता

था कि एक इतने बड़े ऐतिहासिक स्मारक का संरक्षण नहीं हो पा रहा है। आज मंत्री महोदय से जानकारी मिली कि उस के संरक्षण के लिए विचार-विमर्श चल रहा है। महोदय, मेरा प्रश्न इतना ही है कि इस स्मारक की खुदाई कब हुई और उस के बाद कब पता चला कि यहां एक राष्ट्रीय स्मारक हो सकता है यानी इस राष्ट्रीय स्मारक की घोषणा कब की गई? दूसरे इस संरक्षित स्थल में हर वर्ष पानी घुस जाता है और आज तक वहां बाढ़ के पानी को घुसने से रोकने की कोई पर्याप्त व्यवस्था नहीं हो पाई है और मंत्री महोदय का जवाब यह है कि राज्य सरकार के साथ इस संबंध में विचार-विमर्श चल रहा है। महोदय, मैं जानना चाहूंगा कि यह विचार-विमर्श कब तक चलेगा और इस बारे में एक पक्का निर्णय कब तक हो पाएगा क्योंकि कुम्हरार पन्ना का एक बहुत बड़ा ऐतिहासिक केन्द्र है और आप सभी जानते हैं कि एक समय में पटना हमारे हिंदुस्तान की नेशनल कैपिटल हुआ करती थी। वहां गुप्त साम्राज्य और मौर्य साम्राज्य हुआ करता था। पटना में बहुत से ऐतिहासिक स्थल हैं जिनका संरक्षण नहीं हो पा रहा है। अब उस के लिए राज्य सरकार की कानून व्यवस्था या जो भी दोषी हो, मैं मंत्री महोदय से कहना चाहता हूं कि हमारे राष्ट्रीय स्मारकों और ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण की जिम्मेदारी उन पर है। मैं उन से जानना चाहता हूं कि कुम्हरार की खुदाई कब हुई, यह कब पता चला कि यहां एक राष्ट्रीय स्मारक है और इस स्मारक के संरक्षण की क्या व्यवस्था है? दूसरे वहां बाढ़ के दौरान जो पानी घुस जाता है, उसे रोकने के लिए और इस स्थल को पूरी तरह से संरक्षित रखने के लिए निर्णय कब लिया जाएगा?

SHRI ANANTH KUMAR: Sir, actually the archaeological investivations were carried out in 1892, later, it was continued, under Shri P.C. Mukherjee, in 1897, and further excavations were continued in 1912 and 1915. Therefore, the entire excavations and other things are at least 80—90 years old; and whatever we are doing to dewatering and preserve the monument is also an on-going process. In 1996-97, we spent Rs. 6,43,977/- for dewatering the 80-pillar hall and we have also been taking up periodical clearance of the vegetation. Sir, the hidden portions of the 'Arogya Vihar' have been exposed through scientific clearance and therefore, a retaining wall has been constructed on the southern side; a brick pathway has been laid and the grills have been painted. The hon. Member will be very happy to note, Sir, that for 1999-2000, we have released Rs. 6,80,000/- for construction of boundary wall on the southern and western side; and dewatering and clearance of the vegetation. Therefore, due care is being taken about 'Kumhrar' but I agree that more care is required. Because of the low level of the monument—it is 15 feet lower than the ground level—it is a perennial problem. Therefore, I cannot indicate the exact date of completion because it is a perennial problem.

†श्री जलालुदीन अन्सारी: सभापति महोदय, कुम्हरार एक ऐतिहासिक स्मारक है और उसको सुरक्षा प्रदान करना, उसको कायम रखना, यह सरकार का दायित्व है। जहां तक माननीय मंत्री महोदय ने कहा एन्क्रोचमेंट का, तो एन्क्रोचमेंट को हटाने के लिए आप राज्य सरकार से बात कीजिए और यह ठीक है कि वह आज गड्ढे में है, लेकिन आज के युग में पानी निकालना कोई बड़ी समस्या तो नहीं है। आपका विभाग उसको सुरक्षित करवाए, उसमें जो बारिश से पानी आता है उसे हमेशा दूर करवाए और फिर उसकी बाउण्डरी वाल, जिसको कहते हैं घेराबंदी, उसको पक्का करवा दें। यह कोई बहुत बड़ा काम नहीं है, लेकिन आपके विभाग का कोई विशेष ध्यान इस ओर नहीं है और जो राज्य सरकार को ध्यान देना चाहिए अपनी धरोहर को बचाने के लिए, वह भी उस ओर ध्यान नहीं दे पा रही है। इसीलिए हमारा माननीय मंत्री जी से कहना है कि इस ऐतिहासिक स्मारक को बचाने के लिए आप विशेष ध्यान दीजिए और राज्य सरकार से भी आप बात कीजिए कि इसमें वह आपकी आवश्यक मदद करें अन्यथा यह हमारा ऐतिहासिक स्मारक जो बरबाद हो रहा है, वह अगले कुछ दिनों में समाप्त हो जाएगा, जो कि हमारी सभ्यता, संस्कृति और इतिहास के लिए उचित नहीं होगा। इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं, यही हम मांग करते हैं।

SHRI ANANTH KUMAR: I will take the suggestion of the hon. Member for future improvements.

*186. [*The Questioner (Shri Suryabhan Patil Vahadane) was absent. For answer, vide page 25 Infra.*]

Procurement of on Track Ballast Cleaning Machine

*187. SHRI NILOTPAL BASU: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news-item titled "Jessop denied Rail machine orders" which appeared in the Statesman dated 31st October, 1999, regarding procurement of On Track Ballast Cleaning Machine costing Rs. 120 crores.

(b) whether any enquiry has been instituted into the alleged rejection of the lowest offer of Messrs Jessop, a public sector undertaking;

(c) if so, the details as to how the lowest offer was rejected; and

†Transliteration of the speech in Persian Script is available in the Hindi version of the Debate.